E learning Study Material
By Prof YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE ARA
VKS UNIVERSITY ARA BIHAR
BA PART 1st ECONOMICS HONS
PAPER 1st

# Other Criticisms of Malthusian THEORY OF POPULATION

आलोचनाएँ

4. इतिहास ने माल्थस के सिद्धान्त को गलत साबित कर दिया है – माल्थस ने जनसंख्या वृद्धि के परिणामों की भयावहता की कल्पना की थी उन्हें इतिहास ने गलत सिद्ध कर दिया है क्योंकि वैसे परिणाम प्रायः कहीं भी देखने को नहीं मिले हैं। जनसंख्या में वृद्धि होती रही है तथा साथ ही साथ कृषि उद्योग आदि क्षेत्रों में उत्पादन में वृद्धि होती रही जिससे बढ़ती हुई जनसंख्या का भरण पोषण होता रहा। इंग्लैण्ड और अमेरिका आदि विकसित देशों में ऐसा देखने को मिला है। लेकिन चीन एवं रहे हैं जिससे ऐसा लगता है कि इस सिद्धान्त की आलोचना करना सही नहीं है।

5. माल्थस द्वारा सुझाए गये प्रतिबन्धात्मक उपाय व्यवहारिक नहीं है। माल्थस ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए संयम, ब्रह्मचर्य एवं संतति निग्रह के कृत्रिम उपायों की चर्चा की थी उनका सभी देशों में सम्यक् विकास नहीं हो पाया है।

6. माल्थस ने केवल जनसंख्या की मात्रा पर विचार किया है। लेकिन श्रम की पूर्ति जनसंख्या के गुण (quality) अथवा उत्पादन क्षमता पर भी निर्भर करती है। यदि जनसंख्या में वृद्धि के साथ श्रमिकों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो तो उत्पादन में वृद्धि कर बढ़ती हुई जनसंख्या का आसानी से भरण पोषण किया जा सकता है।

7. प्राकृतिक रोकों का लागू होना सर्वदा जनाधिक्य का सूचक नहीं है। — ~~यदि~~ ~~किसी~~ यदि किसी देश की जनसंख्या कम है लेकिन उत्पादित खाद्यान्न का उचित वितरण नहीं होता हो अथवा व्यापारी अपने मुनाफे के लिए खाद्यान्न को छिपाकर रखते हों तो भूखमरी, अकाल आदि के ~~दृश्य~~ दृश्य देखने को मिल सकते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं की वहाँ जनाधिक्य है। इसप्रकार प्राकृतिक रोकों का लागू होना सर्वदा जनाधिक्य का सूचक नहीं है।

8. शिक्षा एवं जीवन-स्तर की वृद्धि के साथ सन्तानोत्पत्ति की प्रवृति कम होती है — प्रायः देखा जाता है कि शिक्षा एवं जीवन स्तर मे सुधार होने के साथ संतान उत्पत्ति की प्रवृति स्वतः कम हो जाती है। और छोटा परिवार ही आदर्श परिवार माना जाता है। लोग बच्चा की जगह कार की मांग करते हैं।

9. जनसंख्या के साथ साथ श्रम शक्ति और उत्पादन भी बढ़ते हैं — ऐसी अवस्था में बढ़ती हुई जनसंख्या बराबर अभिशाप नहीं होती।

10 आबादी का बढ़ना बराबर हानिकारक नहीं है — यदि किसी देश में प्राकृतिक साधन एवं अन्य साधन बेकार पड़े हो और ~~कम~~ ~~सकती~~ श्रमशक्ति की कमी के कारण अर्थव्यवस्था का विकास रुक गया हो तो ऐसी स्थिति में जनसंख्या में वृद्धि होने से अधिक श्रमशक्ति उपलब्ध होगी जिससे आर्थिक विकास में सहायता मिलेगी। इसप्रकार जनसंख्या का बढ़ना हमेशा हानिकारक नहीं होता।

11 माल्थस का सिद्धांत निराशावादी है।